

काला साया अपने हाथ आगे बढ़ते हुए उन दोनों बढ़ाने को ताबूत के सामने करते हुए कहता है जानता है अनुराग इन पंक्तियों के अंदर क्या है जैसी काला साया की बात बोलता है उन दोनों कांच की बढ़ाने के चारों तरफ जो कलात हुआ छाया हुआ था वह हटाने लग जाता है कुछ पल बात ही जब हुआ पूरी तरह है जाता है तो झाड़ियों के पीछे छुपी चरित्र देखती है कि उनको बनियों में से एक कांच की बनी मेरी रखी हुई थी तो दूसरी कांच की वदी में पानी रखा हुआ था आगे करते हुए अनुराग से कहता है जानता है अनुराग की कोई ऐसी वैसी रेट नहीं है अंदर भी कोई ऐसा वैसा पानी नहीं है बोल नदी का पानी है जो मैं अभी अभी खुद तेरे लिए खत से लेकर आया हूं मैं सोने लग जाती है इसका मतलब थोड़ी देर पहले मुझे मेरे पास से जी काली शक्ति के गुजरने का एहसास हुआ था वह कोई और नहीं बल्कि काला साया था यही मेरे पास से गुजरा था पर यह काला सा इतनी जल्दी में था कि से पता ही नहीं चला कि मैं वहां पर मौजूद हूं वरना यह मेरे पास जरूर आता इससे मेरी मौजूदगी का एहसास भी कैसे होता है अपने चारों तरफ से बना कर रखा हुआ है मुझे पता है और पानी में क्यों लेकर आए हों तो चल मैं ही बता देता हूं नहीं बोला जाता है जंगल के अंदर हर चीज में काली शक्तियों का सिर्फ जंगल के अंदर ही नहीं जंगल के आसपास बसी हुई चीजों में भी जैसे ग्रेवार्ड कोठी घाट की रेत घाट का पानी को एक तक देखते हुए कहता है यह कोई ऐसी वैसी रेट नहीं है काली शक्तियों से भरी हुई रहे थे यही वह रेट है जिसने मेरे अंश को सदियों तक सही सलामत रखा हुआ था जब मेरा अंश हीरे की पोटली में रेत के नीचे दबा हुआ था और यह जो घाट का पानी है ना यही है जो तेरे शरीर के सारे गांव को ठीक कर देगा तेरे शरीर को पहले की तरह कर देगा एक टैंक का निशान तक नहीं दिखेगा तेरे शरीर पर बढ़ाने को ताबूत के अंदर उलट देता है बढ़ाने के अंदर से निकलते हुए सीधे ताबूत के अंदर गिरने लग जाती है छोटी सी बड़ी के अंदर से निकलते ही रहती है जैसे वह कोई जब तक पूरा ताबूत रेट से भर नहीं जाता है अनुराग का बस चेहरा ही दिखाई दे रहा था बाकी उसका पूरा बदन रेट से ढक चुका था काला साया फिर से मंत्र पढ़ना शुरू करता है और पानी की बरनी को भी ताबूत में उलट देता है उसका आज की बाइमेर में से भी तब तक पानी निकलते रहता है जब तक ताबूत के अंदर मौजूद सुखी हुई रेट पूरी तरह गीली नहीं हो जाती है अनुराग के चेहरे पर हाथ फिरते हुए कहता है अब अलविदा कहने का वक्त आ गया है लेखक को हमेशा हमेशा के लिए ठिकाने पर लगा दूंगा उनका वह हाल करूंगा कि फिर कोई भी ग्रेवार्ड कोठी में कदम रखने से पहले भी 10 बार सो जाएगा मंत्र पढ़ते हुए कहता है भगवान मंत्र का जाप करने लग जाता है जैसे जैसे वह मंत्र का जाप करते जा रहा था ताबूत के ऊपर अपने आप कल खून से निशाना बनने लग गए थे पहले ताबूत के ऊपर पानी की बूंद का निशान बनता है फिर आपका फिर बवंडर का और फिर इफिनिटी का और फिर सबसे आखरी में ट्रायंगल के अंदर आंख का वही 500 निशान जो अनुराग की कलाई पर बने हुए थे पूरे निशान बनते हुए काला साया मंत्र पढ़ना बंद कर देता है लग जाता है मुझे पापा का शरीर लेने के लिए भेजा था क्योंकि पापा के शरीर के शरीर में प्रवेश नहीं कर सकता था उसने मुझसे ताबूत के आसपास कला धाम जमा होने लग गया था काला साया मुस्कुराते हुए खुद से कहता है यह मौत का ताबूत पूरी तरह तैयार हो गया है इसे अब मैं वहीं पर रख दूंगा जहां से अनुराग और मेरी कहानी एक हुई थी इतना कहती वह काला साया जो कुछ देर पहले खालिद हुए और ढेर सारी बटरफ्लाई के जोड़ने से बना हुआ था उसका शरीर टूटने लग जाता है अगले पल वह सारी बटरफ्लाई औरत की चारों तरफ जाता है और आसमान में उड़ते हुए वहां से जाने लगता है नहीं नहीं चित्र उस सबूत को अच्छी रही थी कि तभी उसे एक रास्ता नजर आता है और वह खुद से बोल पड़ती है मैं भी इस काली चाय का सामना नहीं कर सकती हूं अभी मैं पूरी तरह से मार डाले नहीं बनी हूं पहले मुझे इससे मेरा हर हीरा लेना पड़ेगा तभी मैं इसे लड़ सकती हूं जितना मुझे लगता है यक्षिणी ग्रेवार्ड कोठी में ही होगी अभी तो इस वक्त ने कहा था कि उसने यक्षिणी को वही पर भेज दिया जहां पर वह पहले थी इसका मतलब यह हुआ की यक्षिणी पहले भी क्या थी और अभी गए थे वह भी ग्रेवार्ड कोठी में मुझे ग्रेवार्ड कोठी में को ढूंढना चाहिए एक बार मुझे यक्षिणी मिल गई तो हम दोनों मिलकर इस भक्ति को हमेशा हमेशा के लिए खत्म कर देंगे कम करो लक्ष्मी को एक बार फिर से ढूंढ कर चित्र कोई देखती रहती है और उसकी सारी बातें सुनती रहती है चित्र फिर लूसी से बोल पड़ती है याद रखना लूसी यह भक्ति को लेकर जहां पर भी जा रहा है उसकी पाल पाल की खबर तुम्हें मुझे देनी है तुम और मैं एक ही हैं वह सब जो तुम देख सुन महसूस कर सकती हो वह मैं भी देख सुन सकती हूं मैं तुम्हें सिर्फ अपनी शक्तियों ही नहीं थी है बल्कि अपने गुण भी दिए हैं अब जाओ यहां से इससे पहले की यह काला साया ताबूत लेकर चले जा यहां से हमें अभी से रुकना है बस देखना है कि क्या कर रहा है उसके बाद फिर हम चले जाएंगे वहां पर एक अजीब सा अंधेरा छाया हुआ था रोशनी का नाम हरे रंग में चमकने लग जाती है और उसकी आंखों से हरी रोशनी निकलने लग जाती है चित्र की शक्तियां खुद उसका साथ देने लग गई थी उसे कुछ करने की भी जरूरत नहीं पड़ रही थी जैसे उसकी शक्तियों को जानती हो कि उसे उसे वक्त किस चीज की जरूरत है चित्र यक्षिणी को पुकारते रहती है यक्षिणी कहाँ हो तुम यक्षिणी यक्षिणी का कोई जवाब नहीं आता है पर जब फिर कोई जवाब नहीं आता है तो वह खुद से फिर बोल पड़ती है ऐसे तो मुझे कभी नहीं मिलने वाली पिछली बार प्रशांत के साथ मिलकर भी मैंने उसे ऐसे ही ढूंढा था पर वह मुझे नहीं मिली थी लगता है मुझे अपनी काली शक्तियों का उपयोग करना नहीं होगा मंत्र पढ़ने लग जाती है लग जाती है तुम कहां हो यक्षिणी मुझे तुम्हारे होने का एहसास कराओ मुझे बताओ तुम कहां हो मुझे कोई संकेत दो यक्षिणी मैं तुमसे मिलना चाहती हूं मैं तुम्हें पुकार रही हूं यक्षिणी तुम भी मुझे पुकारो यक्षिणी संकेत दो मुझे संकेत तो मुझे चित्र बार बार खुद से यही बात बोलने लग जाती है चित्र अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करके यक्षिणी को ढूंढने में लगी हुई थी हाल में बैठे बैठे उसकी नजदीक ग्रेवार्ड को ठीक है हर कमरे में जा रही थी वह सब देख पा रही थी कि किसी कमरे में क्या था पर उसे यक्षिणी कहीं पर भी नहीं मिल रही थी बैठे बैठे हर कमरे में जा रही थी और देख रही थी कि वहां पर क्या है पर जब उसकी नर्सरी रूम नंबर 666 में जाती है तो उसे वहां पर कुछ अजीब सा लगता है उसकी नजर बंद होने लग जाती है उसे कमरे के अंदर क्या था आंखें खोलता है और भागते हुए रूम नंबर 666 के पास जाने लग जाती है 666 के अंदर घुसती है तो देखी है कि उसे कमरे के अंदर एक अजीब सन्नाटा छाया हुआ था मौत का सन्नाटा चित्र कैमरे के चारों तरफ देखते हुए यक्षिणी को पुकारते भी कहती है यक्षिणी यक्षिणी क्या तुम यहां पर हो यक्षिणी का फिर कोई जवाब नहीं आता है चित्र उसे कमरे में यक्षिणी को ढूंढ रही थी कि तभी उसकी नजर टेबल पर मौजूद सफेद टाइपराइटर पर पड़ जाती है उसे टाइप राइटर था जिस पर अनुराग अपनी कहानी लिखो करता था चित्र को अनुराग की याद आने लग जाती है जिसके अंदर करता था उसके पास बैठकर पेंटिंग किया करती थी चित्र टाइपराइटर को देखकर उन बालों को याद ही कर रही थी कि तभी उसे टाइपराइटर पर कुछ नजर आता है कुछ ऐसा क्यों उसके चेहरे पर जो प्यार भरी मुस्कान नजर आ रही थी वह गायब हो जाती है उसके चेहरे पर परेशानी नजर आने लग जाती है चित्र देखी है कि टाइपराइटर पर खून का ढाबा था जो एकदम लाल था जो चित्र स्कूल के धब्बे को देखते हुए कहती है कि टाइपराइटर के ऊपर अनुराग का खून कैसे हो सकता है उसका खून को देखते हैं तो उसकी आंखें खुली की खुली रह जाती है ईशान को एक तक देखते हुए कहती है यह तो वही निशान है जो अनुराग के हाथ पर बना हुआ था पर यह निशान यहां पर कैसे यह निशान यहां पर बनाकर किस चीज की तैयारी कर रहा है चित्र उसे निशान को बड़ी गौर से देखने लग जाती है उसे ऐसा लगने लग जाते हैं जैसे फर्श पर जो आज बनी हुई थी उसकी पतली के अंदर कुछ हो चित्रा के पास जाती है और उसके अंदर झांकने लग जाती है उसे पुतली के अंदर देखने के सिवा कुछ नजर नहीं आ रहा था कि तभी उसे कुछ एहसास होता है उसकी छोटी में अपने आप मूवमेंट होने लग

जाता है संदेश का संदेश मिलता है मुझे पता था जरूर अनुराग के शरीर को पंचम गांव के अंदर ही ले जाएगा उसने अनुराग किताबों को वहीं पर रख दिया है जहां पर उसने हर हीरा रखा था चित्र समझ गई थी कि अब उसके पास वक्त बहुत कम बचा था भागने किसी भी वक्त वहां पर आ सकता था और अगर उसके आने से पहले वह वहां से नहीं गई तो बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाएगी अभी वह इस लाइक नहीं हो पाई थी कि भक्षण से लड़ सके उसके पास उसका हीरा नहीं था पर वह यह बात अच्छे से जानती थी कि वह इस तरह खाली हाथ तो वहां से बिल्कुल भी नहीं जाने वाली थी चित्र अपना दिमाग बढ़ने लग जाती है और सोचने लग जाती है वह क्या करे जिससे उसकी इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरत यक्षिणी एक आंख है यक्षिणी तेरा ख्वाब है